Downloaded From :http://cbseportal.com/

सेट–1

हाईस्कूल

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

समय–तीन घण्टे 15 मिनट　　विषय – हिन्दी　　पूर्णांक–70

नोट– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

प्र01: (क) निम्नलिखित में से कोई एक कथन सही है; उसे पहचानकर लिखिए। 1

(i) 'सरस्वती' पत्रिका की सम्पादक महादेवी वर्मा थीं।

(ii) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा है।

(iii) राम विलास शर्मा कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(iv) 'मैला आंचल' कहानी विधा की रचना है।

(ख) 'रस मीमांसा' किसकी आलोचना कृति है– 1

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) रांगेय राघव

(iv) केदारनाथ सिंह

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक रचना की लेखक का नाम लिखिए– 1

(i) अथाह सागर

(ii) अर्द्धनारीश्वर

(iii) मेरी असफलताएँ

(iv) लहरों के राजहंस

Downloaded From :http://cbseportal.com/　　Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(घ) 'गेहूँ और गुलाब' किसकी रचना है– 1

(i) रामवृक्ष बेनीपुरी

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) राम विलास शर्मा

(iv) प्रेमचन्द

(ङ) 'त्यागपत्र' किस विधा की रचना है– 1

(i) उपन्यास

(ii) कहानी

(iii) नाटक

(iv) एकांकी

प्र02: (क) रीतिमुक्त धारा की किन्हीं दो कवियों का नाम लिखिए– 2

(ख) छायावाद की दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2

(ग) 'उत्तरायण' कृति के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

प्र03: निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2+2+2

(क) मगर ऐसा न आज तक हुआ है और न होगा। दूसरों को गिराने की कोशिश की तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं की जा सकती। एक बात और है कि संसार में कोई भी मनुष्य निन्दा से नहीं गिरता। उसके पतन का कारण सद्‌गुणों का ह्रास होता है। इसी प्रकार कोई भी मनुष्य दूसरों की निन्दा करने से अपनी उन्नति नहीं कर सकता। उन्नति तो उसकी तभी होगी, जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाए; तथा अपने गुणों का विकास करे।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Download From : http://cbseportal.com/

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) मनुष्य की उन्नति कैसे हो सकती है?

अथवा

पहले पहाड़ काटकर उसे खोखला कर दिया गया, फिर उसमें सुन्दर भवन बना लिये गये, जहाँ खम्भों पर उभारी मूरतें विहंस उठी। भीतर की दीवारें और छतें रगड़कर चिकनी कर ली गयी और तब उसकी जमीन पर चित्रों की एक दुनिया ही वसा दी गयी। पहले पलस्तर लगाकर आचार्यों ने उन पर लहराती रेखाओं में चित्रों की काया सिरज दी, फिर उनके चेले कलावन्तों ने उनमें रंग भरकर प्राण फूँक दिये। फिर तो दीवार उमग उठी, पहाड़ पुलकित हो उठे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) पहाड़ों को किस प्रकार जीवन्त बनाया गया?

प्र04: निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए तथा काव्य–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए– 1+4+1

(क) निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम–स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारणकर नवजीवन मण्डल।।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर।
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।।

Download From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

अथवा

सुनि सुन्दर वैन सुधा रस साने, सयानी है जानकी जानी भली।
तिरछे करि नैन दै सैन तिन्हे समुझाइ कछु मुसकाय चली।।
तुलसी तेहि औसर सोहै सवै अवलोकति लोचन–लाहु अली।
अनुराग–तड़ाग में भानु उदै विगसी मनो मंजुल कंज कली।।

प्र05: (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन–परिचय देते हुए, उनकी किसी एक रचना का उल्लेख कीजिए। 2+1

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) डा0 भगवतशरण उपाध्याय

(iii) जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए। 2+1

(i) मैथिली शरण गुप्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सूरदास।

प्र06: निम्नलिखित में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 1+3

मानव–जीवनस्य संस्करणं संस्कृतिः। अस्माकं पूर्वजाः मानवजीवन संस्कर्तु महान्तं प्रयत्नम् अकुर्वन्। ते अस्माकं जीवनस्य संस्करणाय यान् आचारान् विचारान् च अदर्शयन् तत् सर्वम् अस्माकं संस्कृतिः।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न सोचति।
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्र07: (क) अपनी पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए— 1+1

(i) पिता कस्मात् उच्चतरः अस्ति?

(ii) गृहे सतः मित्रम् किम् अस्ति?

(iii) लाभेन किं वर्धते?

(iv) दुर्मुखः कः आसीत्?

(v) ग्रामीणान् कः उपाहसत्?

प्र08: (क) 'करूण' अथवा 'हास्य' रस का स्थायी भाव और परिभाषा बताइये। 2

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा देते हुए उदाहरण बताइये। 2

(ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' छंद की परिभाषा देते हुए उदाहरण बताइये। 2

प्र09: (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक—एक शब्द बनाइये— 1+1+1

(i) सु

(ii) प्र

(iii) प्रति

(iv) उप

(v) निर्

(vi) अभि।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रत्ययों के प्रयोग से एक–एक शब्द बनाइये– 1+1

(i) ना

(ii) पन

(iii) इक

(iv) ईय

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास–विग्रह कीजिए तथा समास का नाम बताइए– 1+1

(i) श्वेतकमल

(ii) चरण कमल

(iii) त्रिलोचन

(iv) जल–थल

(v) आजन्म।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए– 1+1

(i) घर

(ii) मानुष

(iii) गाँव

(iv) चाँद

(v) उल्लू

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए– 1+1

(i) ईश्वर

(ii) कमल

(iii) फूल

(iv) जंगल

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्र010: (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो का सन्धि–विच्छेद कीजिए और संधि का नाम लिखिए– 1+1

(i) एकैक

(ii) स्वागतम्

(iii) इत्यादि

(iv) तथैव

(ख) निम्नलिखित शब्दों की चतुर्थी विभक्ति एवं द्विवचन का रूप लिखिए– 1+1

(i) 'मधु' अथवा 'नदी'।

(ii) युष्मद् (तुम–मध्यम पुरूष) अथवा तद् (स्त्रीलिंग)

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक का धातु लकार, पुरूष तथा वचन का उल्लेख कीजिए– 2

(i) अहसम्

(ii) द्रक्ष्यावः

(iii) पचेयम्।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 1+1

(i) प्रयाग गंगा तट पर स्थित है।

(ii) तुम दोनों क्या करते हो।

(iii) विद्या विनय से बढ़ती है।

(iv) गंगा भारत की पवित्र नदी है।

(v) हमें माता–पिता की सेवा करनी चाहिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्र011: निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 6

(i) स्वास्थ्य और शिक्षा

(ii) पर्यावरण प्रदूषण

(iii) वन महोत्सव

(iv) साहित्य और समाज

प्र012: अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए– (3)

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति–जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति–जवाहर' खण्डकाव्य का कथासार संक्षेप में लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'मेवाड़–मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'दौलत' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़–मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर उसके छठे सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ङ) (i) 'जय–सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'जय–सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कौन सी घटना आपको सर्वाधिक प्रभावित करती है? संक्षेप में बताइये।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्यूत–सभा में 'द्रोपदी' सर्ग का सारांश संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आदर्श वरण' सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'राम' का चरित्रांकन कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'राम–मिलाप' और सौमित्र का 'उपचार' सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

सेट–2

हाईस्कूल

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

समय–तीन घण्टे 15 मिनट विषय – हिन्दी पूर्णांक–70

नोट– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए है।

प्र01: (क) निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है? उसे पहचानकर लिखिए। 1

(i) प्रेमचन्द एक महाकवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ii) 'ध्रुवस्वामिनी' जयशंकर प्रसाद की कहानी है।

(iii) 'गुनाहों का देवता' उपन्यास के लेखक डॉ0 धर्मवीर भारती है।

(iv) 'मित्रता' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का प्रसिद्ध कहानी संग्रह है।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कृति के लेखक का नाम बताइये– 1

(i) हिमालय की पुकार

(ii) गेहूँ और गुलाब

(iii) मेरी असफलताएँ

(iv) अर्द्धनारीश्वर।

(ग) 'अपनी खबर' किसकी रचना है– 1

(i) आचार्य चतुर सेन शास्त्री

(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) महादेवी वर्मा।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(घ) 'भाषा योग वशिष्ठ' के लेखक कौन है 1

(i) राम प्रसाद निरंजनी

(ii) सदा सुखलाल

(iii) इंशा अल्ला खां

(iv) महादेवी वर्मा

(ङ) 'बाला बोधिनी' पत्रिका के सम्पादक का नाम बताइये। 1

प्र02: (क) रीतिकाल के दो प्रमुख कवियों का नाम बताइये। 2

(ख) हिन्दी के दो महाकाव्यों का नाम लिखिए। 2

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक रचना के रचनाकार का नाम लिखिए– 1

(i) चिदम्बरा

(ii) पलाशवन

(iii) हिम तरंगिनी

(iv) झरना।

प्र03: निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए। (2+2+2=6)

(क) <u>यह कोई बात नहीं है कि एक ही स्वभाव और रूचि के लोगों में ही मित्रता हो सकती है। समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं</u> जो गुण हममें नहीं है। हम चाहते हैं कि कोई ऐसा मित्र मिले जिसमें वे गुण हों। चिन्ताशील मनुष्य प्रफुल्लित चित्त का साथ ढूढ़ता है, निर्बल वली का, धीर उत्साही का। उच्च आकांक्षा वाला चन्द्रगुप्त युक्ति और उपाय के लिए चाणक्य का मुँह ताकता था। नीति–विशारद अकबर मन बहलाने के लिए वीरबल की ओर देखता था।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक के अनुसार समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक–दूसरे की ओर क्यों आकर्षित होते हैं।

अथवा

मुझे आज लिखना ही पड़ेगा। अंग्रेजी के प्रसिद्ध लेखक एम0सी0 गार्डिनर का कथन है कि लिखने की एक विशेष मानसिक स्थिति होती है। उस समय मन में कुछ ऐसी उमंग सी उठती है, हृदय में कुछ ऐसी स्फूर्ति–सी आती है, मस्तिष्क में कुछ ऐसा आवेग सा उठता है कि लेख लिखना ही पड़ता है। उस समय विषय की चिन्ता नहीं रहती है। कोई भी विषय हो, उसमें हम अपने हृदय के आवेग को भर ही देते हैं। हैट टाँगने के लिए कोई भी खूँटी काम दे सकती है। उसी तरह अपने मनोभावों को व्यक्त करने के लिए कोई भी विषय उपयुक्त है। असली वस्तु है हैट, खूँटी नहीं। इसी तरह मन के भाव हो तो यथार्थ वस्तु है, विषय नहीं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) लिखने की मानसिक स्थिति कैसी और कब होती है?

प्र04: निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए– 1+4+1=6

(क) धूरि भरे अति शोभित स्यामजू, तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी।
खेलत खात फिरै अंगना, पग पैंजनी बाजति पीरी कछोटी।।
वा छवि को रसखामि विलोकत, वारत काम कला निधि कोटी।
काग के भाग बड़े सजनी हरि–हाथ से ले गयो माखन रोटी।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

अथवा

इस समाधि में छिपी हुई है,
एक राख की ढेरी।
जल कर जिसने स्वतंत्रता की,
दिव्य आरती फेरी।।
यह समाधि, यह लघु समाप्ति है,
झाँसी की रानी की।
अन्तिम लीलास्थली यही है,
लक्ष्मी मरदानी की।

प्र05: (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन–परिचय देते हुए, उनकी किसी एक रचना का उल्लेख कीजिए। 2+1=3

(i) पदुम लाल पुन्ना लाल बख्शी

(ii) रामचन्द्र शुक्ल

(iii) जय शंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन–परिचय देते हुए; उनकी किसी एक रचना का उल्लेख कीजिए। 2+1=3

(i) महादेवी वर्मा

(ii) विहारी लाल

(iii) सुमित्रा नन्दन पंत

प्र06: निम्नलिखित में से किसी एक गद्यखण्ड का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 1+3=4

आं, स्वीकृतः समयः "इति कथिते तस्मिन् नागरिके स ग्रामीणः नागरिकम् अवदत् "प्रथमं भवान् एवं पृच्छतु।" नागरिकश्च तं ग्रामीणम् अकथयत्, त्वमेव प्रथमं पृच्छ" इति। इदं श्रुत्वा स ग्रामीणः अवदत् "युक्तम् अहमेव प्रथमं पृच्छामि।"

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

अथवा

सार्थः प्रवसतो मित्रं भार्या मित्रं गृहे सतः।

आतुरस्य भिषक् मित्रं दानं मित्रं मरिक्यतः।।

प्र07: (क) अपनी पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए– 1+1

(i) पुरूराजः केन सह युद्धम् अकरोत्?

(ii) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम् अकथयत्?

(iii) नागरिकः किम् अर्थेन खिन्नः अभवत्?

(iv) कविः कोकिलां किं कथयति?

प्र08: निम्नलिखित पंक्तियों में से प्रयुक्त रस को पहचान कर लिखिए और उसका स्थायी भाव भी बताइये– 2

(क) सोक विकल सब रोवहिं रानी। रूप सीलु वलुं तेजु बखानी।।

करहिं विलाप अनेक प्रकारा। परहि भूमितल वारहिं वारा।।

अथवा

हास्य रस की परिभाषा एवं उदाहरण बताइये।

(ख) उत्प्रेक्षा' अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए। 1+1=2

(ग) निम्नलिखित में प्रयुक्त छंद को बताइये एवं उसके लक्षण स्पष्ट कीजिए– 1+1=2

बंदऊँ मुनि पद कंजु रामायन सेहिं निरमयऊ।

सपर सुकोमल मंजु दोष रहित दूषज सहित।।

अथवा

'दोहा' छंद का लक्षण और उदाहरण दीजिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्र09: (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक–एक शब्द बनाइये– 1+1+1=3

(i) प्र

(ii) अनु

(iii) अन्

(iv) वि

(v) बाध

(vi) प्रति

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक–एक शब्द बनाइये– 1+1=2

(i) हट

(ii) पन

(iii) ता

(iv) त्व

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास–विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– 1+1=2

(i) पीताम्बर

(ii) सप्त सिन्धु

(iii) नील गगन

(iv) माता–पिता

(v) यथाशक्ति

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए– 1+1=2

(i) निरगुन

(ii) सावन

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(iii) दूध

(iv) केला

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए– 1+1=2

(i) अतिथि

(ii) हवा

(iii) बादल

(iv) फूल

(v) आकाश

प्र010: (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए और संधि का नाम लिखिए– 1+1=2

(i) इति+आदि

(ii) सदा+एव

(iii) सु+आगतम्

(iv) वन+औषधम्

(ख) निम्नलिखित शब्दों के चतुर्थी विभक्ति बहुवचन के रूप में लिखिए– 1+1=2

(i) 'नदी' अथवा 'मधु'

(ii) युष्मद् अथवा तद् (पुल्लिंग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु लकार, पुरूष तथा वचन का उल्लेख कीजिए– 2

(i) पठामि

(ii) हसेः

(iii) पश्यथ

(iv) अपचतम्

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 1+1

(i) तुम्हारा गाँव कहाँ है?

(ii) सूर्य पूरब से निकलता है।

(iii) वे दोनों मिठाई खाते हैं।

(iv) बड़ों का सम्मान करना चाहिए।

(v) सदा सत्य बोलो।

प्र011: निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए— 6

(i) तकनीकी एवं विज्ञान

(ii) किसी यात्रा का वर्णन

(iii) स्वदेश—प्रेम

(iv) जल ही जीवन है।

प्र012: अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए— (3)

(क) (i) 'मेवाड़—मुकुट' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मेवाड़—मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'भामाशाह' का चरित्र—चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में बताइये।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र—चित्रण कीजिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा–वस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आजाद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(च) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'द्वादश' सर्ग की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक लक्ष्मण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'ज्योति–जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'ज्योति–जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के छठे सर्ग का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(झ) (i) 'मुक्तिदूत' के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नाम पर चलाए गये एक मुख्य आंदोलन और उसके प्रभावों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

सेट–3

हाईस्कूल

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

समय–तीन घण्टे 15 मिनट   विषय – हिन्दी   पूर्णांक–70

नोट– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए है।

प्र01: (क) 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन किसने किया– 1

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iv) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कृति के लेखक का नाम बताइये– 1

(i) जय–पराजय

(ii) प्रतीक्षा

(iii) झूठा–सच

(iv) भूले बिसरे चित्र

(ग) 'गबन' किसकी रचना है– 1

(i) प्रेमचन्द

(ii) गुलाब राय

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(घ) महादेवी वर्मा की किसी एक रचना का नाम लिखिए। 1

(ङ) किसी एक प्रसिद्ध नाटककार का नाम लिखिए। 1

प्र02: (क) प्रगतिवादी काव्यधारा की दो विशेषताएँ बताइये। 1+1=2

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(ख) किन्हीं दो छायावादी कवियों का नाम लिखिए। (1+1=2)

(ग) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की किसी एक रचना का नाम बताइये। (1)

प्र03: निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए। (2+2+2=6)

(क) कुसंग का स्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता; बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन–दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जायेगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायेगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक किसे अवनति के गड्ढे में गिरने की बात कर रहा है।

अथवा

शब्द सुनते ही प्रसन्नता की चीत्कार ध्वनि से वह प्रान्त गूँज उठा। ममता अधिक भयभीत हुई। पथिक ने कहा–''वह स्त्री कहाँ है? उसे खोज निकालो।'' ममता छिपने के लिए अधिक सचेष्ट हुई। वह मृग–दाव में चली गयी। दिन–भर उसमें से न निकली। संध्या में जब उन लोगों के जाने का उपक्रम हुआ, तो ममता ने सुना, पथिक घोड़े पर सवार होते हुए कह रहा है– ''मिरजा! उस स्त्री को मैं कुछ दे न सका। उसका

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

घर बनवा देना, क्योंकि मैंने विपत्ति में यहाँ विश्राम पाया था। यह स्थान भूलना मत। इसके बाद वे चले गये।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) पथिक ने ममता का घर बनवाने के लिए क्यों कहा था?

प्र04: निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए एवं काव्य सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए– 1+4+1=6

(क) उधो मन न भए दस बीस।
एक हुतो सो गयो स्याम सँग, कोऊ आराधे ईस।।
इन्द्री सिथिल भयी केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहि कोटि बरीस।।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारे नंदनंदन विनु, और नहीं जगदीश।।

अथवा

मेरी भव–बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्याम हरित दुति होई।

प्र05: (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन–परिचय देते हुए, उनकी किसी एक रचना का उल्लेख कीजिए। 2+1

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) पदुम लाल पुन्ना लाल बख्शी।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए। 2+1

(i) सूरदास

(ii) बिहारीदास

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(iii) सुमित्रा नन्दन पंत।

प्र06: निम्नलिखित में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 1+3

(क) वाराणसी सुविख्याता प्राचीन नगरी। इयं विमल सलिलतरंगाया गंगाया कूले स्थिता। अस्याः घट्टाना वलयाकृतिः पंक्तिः धवलायां चन्द्रिकायां वहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आपत्ति अस्याः घट्टानाश्च शोभां विलोक्य इमा वहु प्रशंसन्ति।

अथवा

नीर–क्षीर–विवेके हंसालस्यं त्वमेष तनुषे चेत्।
विश्वमिस्मन्नधुनान्यं, कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

प्र07: (क) अपनी पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए— 1+1

(i) 'संस्कृति' शब्दस्य किं तात्पर्यम् अस्ति?

(ii) श्वेतकेतुः कः?

(iii) श्री केन वर्धते?

(iv) चन्द्रशेखरः कः आसीत्?

प्र08: (क) 'करूण' अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। 2

(ख) 'रूपक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण सहित उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'सोरठ' अथवा 'दोहा' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

प्र09: (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक–एक शब्द बनाइये– 1+1+1

(i) अधि

(ii) उप

(iii) निर

(iv) अनु

(v) आ

(vi) प्रति।

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक–एक शब्द बनाइये– 1+1

(i) त्व

(ii) वट

(iii) हल

(iv) ता

(v) मान

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास–विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– 1+1

(i) चौराहा

(ii) पीताम्बर

(iii) माता–पिता

(iv) नीलकमल

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए– 1+1

(i) काँटा

(ii) सेठ

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(iii) आँख

(iv) आग

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए– 1+1

(i) उपवन

(ii) आकाश

(iii) पृथ्वी

(iv) अग्नि

(v) लक्ष्मी

प्र010: (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि–विच्छेद कीजिए और संधि का नाम लिखिए– 1+1

(i) महौजः

(ii) सदैव

(iii) त्रिभुवन

(iv) प्रत्युत्तरम्

(ख) निम्नलिखित में से किसी दो शब्दों का तृतीया विभक्ति बहुवचन के रूप में लिखिए–

(1+1)

(i) 'मति' अथवा 'फल'

(ii) 'नदी' अथवा 'तद्' (वह) पुल्लिंग

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु लकार, पुरूष तथा वचन का उल्लेख कीजिए– 2

(i) पश्यथः

(ii) पचेताम्

(iii) हसावः

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 1+1

(i) सदा सत्य बोलना चाहिए।

(ii) मैं बाजार जाता हूँ।

(iii) दान से कीर्ति बढ़ती है।

(iv) लड़के लखनऊ जाएँगे।

(v) देशभक्त निर्भीक होते हैं।

प्र011: निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए— 6

(i) क्रिकेट

(ii) सत्संग के परिणाम

(iii) विज्ञान : अभिशाप और वरदान

(iv) योग और व्यायाम

(v) 'परहित सरस धरम नहि भाई'।

प्र012: अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए— 3

(क) (i) 'ज्योति—जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति—जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस का चरित्र—चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'मेवाड़—मुकुट' खण्डकाव्य के चिन्ता सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'मेवाड़—मुकुट' के प्रमुख पात्र का चरित्र—चित्रण कीजिए।

(ग) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

(ज) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'मख विध्वंस' और मेघनाद वध वर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(झ) (i) 'जय–सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस का चरित्रांकन कीजिए।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE